JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE

SWACHHTA PAKHWADA REPORT

(ORGANISED AS PER INSTRUCTIONS OF UGC)

SEPT. 01- 15, 2017

SUBMITTED BY

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE

LADNUN – 341306 (RAJASTHAN)

Day wise Activities organized (As per instructions of UGC)

Clean Campus Day	1st Sept 2017
Clean Hostel Day	2nd Sept 2017
Gree Campus Day	3rd Sept 2017
Clean Mess Day	4th Sept 2017
Essay Contest	5th Sept 2017
Clean Sorrunding Day	6th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Study of Garbage cleaning system)	7th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to slum/villages to explain concept of cleaning)	8th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to market to study system of cleaning	9th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to Govt. hospital to study system of cleaning)	10th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Visit to institutions for the poor)	11th Sept 2017
Care for the Sorroundings (Debreifing session with the commissioner Local body about the system for cleanliness)	12th Sept 2017
Cleanest hostel room contest	13th Sept 2017
Elocution contest	14th Sept 2017
Closing Ceremony	15th Sept 2017

PROGRAMME ORGANISED UNDER SUPERVISION & GUIDANCE OF

HONURABLE VICE CHANCELLLOR OF

JAIN VISHVA BHARATI INSTITUTE LADNUN

MEMBERS OF ORGANISING COMMITTEE

- Dr. B Pradhan
  Head ,Dept of Social Work, JVBI
- Dr. Ravindra Singh Rathore
  Asst. Prof,Dept of Non Violenece & Peace, JVBI
- Dr. Pragati Bhatnagar
  Asst. Prof,AKKM, JVBI

स्वच्छता पखवाड़ा कार्यक्रम

प्रथम दिनः–दिनांक 01.09.2017 को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा 1 से 15 सितम्बर के अर्न्तगत जैन विश्वभारती संस्थान, कैम्पस की साफ–सफाई अभियान की शुरूआत संस्थान के कुलपति माननीय बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता में हुआ। उस दौरान संस्थान के कुलसचिव श्री विनोद कुमार कक्कड़ और दूरस्थ शिक्षा के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, सभी विभागाध्यक्ष सभी शिक्षक एवं अधिकारी, कर्मचारी, और संस्थान के सभी छात्र–छात्राएँ उपस्थित थे। संस्थान के पूरे कैम्पस की सफाई छात्र–छात्राओं ने लगन एवं मेहनत से किया।

इसके अतिरिक्त साफ–सफाई की जागरूकता की रैली का भी आयोजन किया गया जो संस्थान के ओपेन एयर थियेटर से शुरू होकर विश्वविद्यालय के सभी विभागों से हाते हुए पुनः कैम्पस में समाप्त हुआ।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, डॉ. प्रगति भटनागर कर रहे थे। इसमें संस्थान के सभी सदस्यो का सहयोग रहा।

द्वितीय दिनः– दिनांक 02.09.2017 को स्वच्छता पखवाड़ा के दूसरे दिन संस्थान के पुरूष एवं महिला छात्रावास की साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

पुरूष छात्रावास में साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान, छात्रावास अधीक्षक के उपस्थित में आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में सभी 22 छात्रों ने बढ–चढ कर भाग लेते हुए छात्रावास बरामदे, बालकनी, दिवारें एवं सिढियों का साफ–सफाई किया।

महिला छात्रावास में साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन छात्रावास अधीक्षक श्रीमती गीता पुनीया एव कार्यक्रम आयोजक डॉ. प्रगति भटनागर की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में सभी 120 छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। साफ–सफाई के दौरान छात्रावास के बरामदे, मैदान, आगन, आदि कि सफाई कि गई। छात्रावास के मैदान के घास–फूस, कूड़े–करक्ट का भी सफाई कि गई।

तृतीय दिनः– दिनांक 03.09.2017 को स्वच्छता पखवाड़ा के तीसरे दिन संस्थान कैम्पस का हरियाली के लिए पेड़–पौधे लगाये गये। इस कार्यक्रम में संस्थान के कुलसचिव श्री विनोद कुमार कक्कड़, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, शोध निदेशक प्रो. अनिल धर, संस्थान के उपकुलसचिव डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत अहिंसा एवं शान्ति विभाग के विभागाध्यक्ष जुगल किशोर दाधीच, सहायक आचार्य डॉ. विकास शर्मा, समाज कार्य विभाग के सहायक आचार्या डॉ. पुष्पा मिश्रा, एवं संस्थान के छात्र–छात्रायें उपस्थित थे। सभी उपस्थित आचार्य, सह आचार्य, सहायक आचार्य, अधिकारी गण ने छात्र–छात्राओं के सहयोग से कैम्पस में पौधे लगाये एवं पानी दिया।

कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान विभागाध्यक्ष समाजकार्य, अहिंसा एवं शान्ति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड. एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. प्रगति भटनागर कर रहे थे।

चतुर्थ दिनः– दिनांक 04.09.2017 कोजैन विश्व भारती संस्थान में दिनांक 1 से 15 तक UGC द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा चल रहा है उसके अन्तर्गत आज दिनांक 04.09.2017 चौथे दिवस पर Clean Mess Day के रूप में मनाया गया।

छात्रावास अधीक्षक गीता पूनियाँ की उपस्थिति में छात्रावास में रहने वाली प्रत्येक छात्रा में बड़े ही उमंग पुर्ण छात्रावास के मेस को स्वच्छ बना लिया। उन्होने यह कायम कर दिया कि जिस प्रकार घर में रसोई घर को स्वच्छ रखना अनिवार्य है उसी प्रकार छात्रावास हमारा घर है तथ मेस हमारा रसोई घर इसकी स्वच्छता रखना हमारा कर्त्तव्य है

"स्वच्छ तन, स्वच्छ मन।
स्वच्छ हो जग सारा
स्वच्छ दिवस पर सकल्प हमारा।

सभी छात्राओं ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

पचंम दिनः– दिनांक 05.09.2017 को जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में स्वच्छता पखवाड़े के अन्तर्गत निंबध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसमे 150 छात्र–छात्राओं ने भाग लिया।

जिसका शीर्षक था "मै स्वच्छता के लिए क्या कर सकता हू" प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार सरिता फिड़ोदा शिक्षा विभाग द्वितीय पुरस्कार सुविधा जैन एवं कंवरी शिक्षा विभाग, तथा तृतीय पुरस्कार लीला शर्मा, शिक्षा विभाग, तनम्य जैन, जैनलोजी तथा कोमल कंवर, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय, प्राप्त किया। सहायक आचार्य अभिषेक चारण ने निर्णायक की भूमिका अदा की।

षष्टम् दिनः– दिनांक 06.09.2017को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा दिनांक सितम्बर 1–15 2017 के अन्तर्गत छठवें दिन दिनांक 6.9.2017 को संस्थान के छात्र–छात्रओं ने संस्थान से जुड़े रोड की साफ–सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें नगरपालिका के भी सफाई कर्मचारियों ने भी भाग लिया।

कार्यक्रम का आयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान विभागाध्यक्ष – समाज कार्य, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़, सहायक आचार्य अहिंसा एवं शान्ति विभाग, एवं डॉ. प्रगति भटनागर सहायक आचार्य, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय के संयोजन से किया गया।

सप्तम दिवसः– को स्वच्छता पखवाड़ा के सातवें दिन दिनांक 07.09.2017 को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित जैन विश्वभारती संस्थान के छात्र.छात्राओं द्वारा सार्वजनिक स्थान कूड़ा सफाई प्रक्रिया का अध्ययन किया गया। इस अध्ययन के दौरान छात्र–छात्रायें नगर विभिन्न सार्वजनिक स्थान पर जाकर देखा, लोगों एवं नगरपालिका कर्मचारियों श्री रामसिंह, (उपखण्ड अधिकारी) श्री मोहित खन्ना, (कार्यकारी अधिकारी) श्री अकरम अली, (वरिष्ठ इन्चार्ज सफाई कर्मचारी), श्री महेन्द्र (मुख्य सफाई कर्मचारी) से चर्चा कि।

जिससेनिम्नलिखित निष्कर्ष निकाले–

1. सार्वजनिक स्थान से कूड़े को नगर पालिका कर्मचारियों द्वारा एकत्रित किया जाता है।
2. टैम्पों प्रतीदिन वहाँ से कूड़ा उठाकर नगर पालिका को आंवंटित बीघा जमीन पर डाल दिया जाता है।
3. करंट बालाजी के पास एकत्रित कूड़े का निष्पादन की व्यवस्थान नगरपालिका के पास नहीं है।
4. नगरपालिका के पास 3 ट्रक भी है जो इस कार्य के लिए लगाई गई।
5. शहर के मुख्य मार्ग पर नगरपालिका द्वारा कचरा पात्र करवे गये है। इनके अलावा घर–घर से कचरा संग्रह की व्यवस्था भी की गयी है।

यह कार्य डॉ. बिजेन्द्र प्रधान विभागाध्यक्ष, समाज कार्य एवं डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ सहायक आचार्य, अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा मार्गदर्शन एवं सुपरविजन किया गया।

अष्टम् दिवसः– को स्वच्छता पखवाड़ा के आठवें दिन दिनांक 08.09.2017 को यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित जैन विश्वभारती संस्थान ग्राम बाकलिया में साफ–सफाई (स्वच्छता) के विषय में ग्रामीण महानुभावों युवकों महिलाओं एवं बच्चों को सम्बोधित किया गया। कार्यक्रम गांव के बीच सार्वजनिक स्थल गुवाड़ पर आयोजित किया गया जिसमें लगभग 50 व्यक्ति उपस्थित थे। समाज कार्य विभाग की सहायक आचार्य डॉ. पुष्पा मिश्रा ने सभी को व्यक्तिगत एवं सामुदायिक स्वच्छता से सम्बन्धित जानकारी दी।

संस्थान के छात्रों द्वारा गांव में नारा लेखन का कार्य भी किया गया। जिसके अन्तर्गत कुल 40 बिन्दूओं को छात्रों द्वारा चिन्हीत करके उसके लिये ग्रामीण वरिष्ठ नागरिकों एवं युवाओं से अनुमति प्राप्त की गयी एवं लेखन का कार्य सम्पन्न किया गया।

गांव के सभी व्यक्ति ने कार्यक्रम को उपयोगी बताया तथा स्वच्छता पर ध्यान देने की बात स्वीकार की। अन्त में धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

विश्वविद्यालय के विधार्थी नारा लेखन करते हुए।

नवें दिवसः– यू.जी.सी भारत सरकार द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़ा के अन्तर्गत दिनांक 09. 09.2017 को जैन विश्वभारती संस्थान के छात्र–छात्राओं नें लाडनूं मार्केट के सफाई प्रक्रिया का अध्ययन किया। इस प्रक्रिया मे अध्ययन में पाया गया कि नगरपालिक द्वारा नगर में 10 टैम्पों लगाये गये हैं जिनकी जानकारी के लिए उनपर माइक की व्यवस्था की गयी है जिनके द्वारा स्वच्छता जागरूकता सम्बन्धी नारे व गीतो की व्यवस्था की गयी है जिससे लोग कचड़ा डालने आ जाते है। जो प्रतिदिन घर–घर जाकर कूड़ा एकत्रित करने है। पूरे नगर में 33 वार्ड है प्रति टैम्पो लगभग 3 वार्ड प्रतिदिन भ्रमण करते है। टैम्पों द्वारा एकत्रित कूड़े को नगर पालिका के पास 3 ट्रक खड़ी रहती है उसमें डाला जाता है। ट्रक भर जाने बाद वह कूड़े नगर पालिका को आवंटित 20 बीघा जमीन जो करंट बालाजी के पास है वहाँ डाला जाता है।

इसके साथ नगर पालिका के साफ–सफाई कर्मचारी भी प्रत्येक वार्ड में नाली एवं गलियों की सफाई करतें है और कूड़े को एक जगह एकत्रित कर देते है बाद में टैम्पो जब उस वार्ड से गुजरता है तो उसे उठाकर उसी प्रक्रिया द्वारा निर्धारित स्थान पर डाला जाता है।

इस कार्यक्रम का संयोजन डॉ. बिजेन्द्र प्रधान, विभागाध्यक्ष समाज कार्य विभाग, डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ सहायक आचार्य, अहिंसा एवं शान्ति तथा डॉ. प्रगति भटनागर द्वारा किया गया।

दसवें दिनः– यू.जी.सी द्वारा निर्धारित स्वच्छता पखवाड़े के अर्न्तगत 10 वे दिन अस्पताल के कुड़े कचरे के निवारण एवं निसंतारण की प्रक्रिया का संस्थान के छात्र–छात्राओं द्वारा अध्ययन किया गया।

इसके अर्न्तगत अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. भगवान सिंह राठौड. से उपर्युक्त विषय पर विचार विर्मश किया गया।

उन्होने बताया कि हमारे यहाँ दो कार्यक्रम चलते है जिसकी राष्ट्रीय गुणवता बीमा जो प्रधानमंत्री द्वारा चलाया गया है। दुसरा कार्यक्रम यह राज्य सरकार द्वारा चलाया गया है इसे प्रत्येक जिले में लागू कर दिया गया है। इन कार्यक्रर्मो के गाईड लाईन के तहत हमारी संस्थाऐं कार्य करती है। और एक लक्ष्य रखा जाता है और लक्ष्य का अनुसरण किया जाता है। उन्होने बताया की P.W.D व NRHM द्वारा भी अस्पताल की गतिविधियों को अवगत कराया गया ताकि काम सही हो सके।

ग्यारवाहं दिनः–स्वच्छता पखवाड़ा के ग्यारहवें दिन आदर्श ज्ञानोदय दिव्यांग राजकीय उच्च प्राथमिक आवसीय विद्यालय में स्वच्छता संबंधी क्रियाकलापों की जानकारी ली गई। इस संदर्भ में विद्यालय के प्रधानाचार्य देवेन्द्र चारण ने बताया कि इस विद्यालय की स्थापना सन् 2009 में हुई। विभिन्न रू‍प से विकलांग बालकों हेतु शिक्षा प्राप्त करने के साथ–साथ आवास की भी सुविधा उपलब्ध है। पूर्व में विकलांगता के 7 प्रकार निर्धारित किए गए थे किन्तु हाल ही में विकलांगता को 21 प्रकार निर्धारित

किए गए है। यहाँ विभिन्न प्रकार की विकलांगता से ग्रस्त बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। कुल 70 बच्चे (विधार्थी) यहाँ नामांकित हैं।

इनमें से 30 विधार्थी आवासीय विद्यालय में रहकर तथा 40 विधार्थी नियमित आवा–गमन से शिक्षा प्राप्त कर रहें। इनमें से 85% विधार्थी मूकः बधिर श्रेणी से हैं। तथा 15% अन्य विकलांगता श्रेणी से हैं। विद्यालय में कुल 6 अध्यापक कार्यरत् है। सभी शिक्षक विशेष योग्यजन शिक्षण प्रशिक्षण प्राप्त हैं। विधार्थियों को सांकेतिक भाषा में भी शिक्षण प्रदान किया जाता है। यह विद्यालय 50% सरकार द्वारा अनुदानित है। यहाँ आने वाले बच्चो का पहले मूल्यांकन किया जाता है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक विधार्थी का एक व्यक्ति गुण प्रगति प्रतिवेदन पत्र आंकलन हेतु तैयार किया जाता है। विद्यार्थियों को यहाँ सामान्य दैनिक क्रियाओं का ज्ञान कराया जाता है यथाः– कपड़े पहनना स्वयं को शारीरिक रूप से स्वच्छ रखना दांत साफ करना, शोच व शौचा के पश्चात् हाथ धोना, नाखून ना बढ़े, नंगे पैर ना घूमना इत्यादि। यहाँ छात्र–छात्राओं को आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जाते हैं। विधार्थियों में सामान्य जानकारी विकसित की जाती है। सफाई कर्मचारी द्वारा नियमित सफाई की जाती है। इसके अलावा बच्चों में भी दरी लगाने, सफाई के प्रति जागरुकता रहने, खाने से पहले हाथों की सफाई करने की समझ व क्रियाएं विकसित की जाती है। सफाई हेतु फिनायल वगैरह जैसे फ्लोर क्लीनर्स का प्रयोग किया जाता है। विधार्थियों द्वारा अपनी सफाई स्वयं की जाती है। सभी बालकों का स्वास्थ्य कार्ड भरा जाता है। इसके अलावा प्रति 6 माह पर स्वास्थ्य जाँच की जाती है। हाल ही में विद्यालय भवन बदले जाने के कारण यहाँ मनोरंजन के साधनों की कमी है। छात्रो छात्राओं को निश्चित पोषण चार्ट के अनुसार ही भोजन दिया जाता है।

यु.जी.सी द्वारा स्वच्छता पखवाड़े के बारहवें दिनउपखण्ड अधिकारी कार्यलय में स्वच्छता प्रक्रिया पर चर्चा तहसीदार जितेन्द्र सिंह व अन्य कर्मचारी गण के साथ इस विषय पर चर्चा की गयी। जिससे निष्कर्ष निकला की नियमित रूप से नियुक्त कर्मचारी ही सफाई का काम करते है। और सप्ताह में हम सब मिल कर अभियान के रूप में एक दिन पूरे कार्यालय की सफाई की जाती है।

नायब तहसीलदार जी ने हमे इस सफाई कार्यशाला के अर्न्तगत कुछ गाइडलाइन्स कि जो निम्न प्रकार से है ग्राम स्तर पर बैठक करके सफाई से सम्बन्धित चर्चा करके व सफाई न होने से होने वाली बिमारियाँ व उसके दुषप्रभावो से जनता को अवगत कराना व समुदाय में किसी भी प्रकार कि बैठक हो स्थानीय जनता को उनकी स्थानीय भाषा में हि समझाना और इसके प्रचार–प्रसार के लिए प्रोत्साहित प्रतियोगिताये आयोजित करना है इत्यादि कई कार्यो से हमे अवगत करवाया और बताया कि अगर हम ऐसा करते है तो आने वाले समय में हर–गली मोहल्लों समुदाय स्वच्छ होगा और एक नये स्वच्छता भारत को निर्माण होगा।

जितेन्द्रसिंह ने बताया कि आबादी क्षेत्र में सफाई कार्य B.D.O. द्वारा देखा जाता है। O.D.F. का कार्य देखा जाता है ग्राम स्तर पर बैठक आयोजित कि जाती है।

तैरहवें दिवसः– जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में 13 सितम्बर को छात्र एवं छात्राओं के छात्रावास में स्वच्छतम कक्ष प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. विष्णु कुमार तथा डॉ. पुष्पा मिश्रा ने निर्णायक की भूमिका निभाई।

इस प्रतियोगिता में छात्राओं ने वृन्दा दाधीच एवं नीतु वैष्णव ने प्रथम, दीपिका एवं अल्का ने द्वितीय तथा मोनिक एवं एकता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्र वर्ग में विनय जैन व अंकित तथा सुनिल व जितेन्द्र ने प्रथम, उदय जैन व प्रसुख जैन्न सिंह ने द्वितीय तथा विनय शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

चौदहवां दिनः—जैन विश्वभारती संस्थान में स्वच्छता पखवाड़े के अर्न्तगत 14 सितम्बर को भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भाषण प्रतियोगिता का विषय "स्वच्छता एवं स्वास्थ्य असली सम्पती है" प्रतियोगिता मे सहायक आचार्य डॉ. विवेक महेश्वरी एवं डॉ. गिरीराज भोजक ने निर्णायकों की भूमिका अदा की। भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान निधी शिक्षा विभाग, द्वितीय स्थान तन्मय जैन, जैनलोजी तथा तृतीय स्थान नन्दनी पारीक, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय तथा खुशबू योगी शिक्षा विभाग ने प्राप्त किया कार्यक्रम का संचालन डॉ. प्रगति भटनागर ने तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. अमिता जैन ने किया।

पन्द्रहवां दिनः— जैन विश्व भारती संस्थान में स्वच्छता पखवाड़ा के अर्न्तगत 15वां दिन कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने छात्र छात्राओं में प्रथम, द्वितीय, एवं तृतीय आने वाले छात्रो को प्रमाण पत्र कार्यक्रम के आयोजको द्वारा वितरीत कर सम्मानित किया गया।